

কত কাল পরে পেয়েছি তোমারে কত জন্মের প্রতীক্ষায় ।  
যুগ যুগ ধরি আসাপথ চাহি বসে ছিন্ন তব অপেক্ষায় ॥

ভুলে গিয়েছিল ডাকিছে তোমারে একজন ধ্যানে জপে বারে বারে ।  
মনেতে যখন পড়িল তখন নেচে ছুটে এলে রাতুল পায়ে ।  
তুমি নেচে ছুটে এলে রাতুল পায়ে ॥

সাধনার বলে পাই নি তোমারে অহেতুকী কৃপা করিয়াছ মোরে ।  
তোমার কৃপায় তোমারে পেয়েছি পূর্ণতা দিলে মোর আশায় ।  
তুমি পূর্ণতা দিলে মোর আশায় ॥

(কলিকাতা, ২২শে ফেব্রুয়ারী, ১৯৮৩)

তাল : দাদৰা

	১	০	১	০
II	পা পা পা	পা পা পা	পা ধা পা	মা গা গা
	ক ত কা	ল প রে	পে যে ছি	তো মা রে
I	সা সা রা	রা রা গা	রা রা পা	গা ন গা
	ক ত জ	ন যে র	প্র তি ঠ	ক্ষা ঠ য
I	পা পা পঃ	পা পা পা	পা ধা পা	মা গা মা
	যু গ যু	গ ধ রি	আ মা প	ধ চা হি
I	সা সা রা	রা রা গা	রা রা পা	গা ন গা II
	ব সে ছি	ন ত ব	অ পে ঠ	ক্ষা ঠ য
II	পা পা পা	পা পা পা	পা ধা পা	মা গা গা
	ভু লে গি	যে ছি লে	ডা কি ছে	তো মা রে
I	সা সা রা	রা রা গা	রা পা পা	মা গা গা
	এ ক জ	ন ধ্য নে	জ পে বা	রে বা রে
I	পা পা পা	পা পা পা	পা ধা পা	মা গা গা
	ম নে তে	য খ ন	প ড়ি ল	ত খ ন

I   সা   সা   রা   |   রা   রা   গা   |   রা   পা   পা   |   গা   গা   গগা   I  
 নে   চে   ছু   |   টে   এ   লে   |   তু   ল   |   পা   য়ে   তুমি  
 I   সা   সা   রা   |   রা   রা   গা   |   রা   পা   পা   |   গা   গা   -I II  
 নে   চে   ছু   |   টে   এ   লে   |   তু   ল   |   পা   য়ে   o  
 II   পা   পা   পা   |   পা   পা   পা   |   পা   ধা   পা   |   মা   গা   গা   I  
 সা   ধ   না   |   র   ফ   লে   |   পা   হ   নি   |   তো   মা   রে  
 I   সা   সা   রা   |   রা   রা   গা   |   রা   পা   পা   |   মা   গা   গা   I  
 অ   হে   তু   |   কী   ক   পা   |   ক   রি   য়া   |   ছ   মো   রে  
 I   পা   পা   পা   |   পা   পা   পা   |   পা   ধা   পা   |   মা   গা   গা   I  
 তো   মা   র   |   ক   পা   য   |   তো   মা   রে   |   পে   য়ে   ছি  
 I   সা   সা   রা   |   রা   রা   গা   |   রা   পা   পা   |   গা   গা   গগা   I  
 পু   o   ৰ্ণ   |   তা   দি   লে   |   যো   র   আ   |   শা   য   তুমি  
 I   সা   সা   রা   |   রা   রা   গা   |   রা   পা   পা   |   গা   গা   -I II II  
 পু   o   ৰ্ণ   |   তা   দি   লে   |   যো   র   আ   |   শা   য   o